उन्नत
बड़े बच्चों के लिए

12041

यूनिट 2

संडे स्कूल

विश्वास के नायक - संडे स्कूल

विशेष संस्करण

यूनिट 2

विद्यार्थी पुस्तक

उन्नत

विद्यार्थी पुस्तक

आपका स्वागत हैं...

... उस अध्ययन के लिए जहां हम इब्रानियों 11 में वर्णित विश्वास के नायकों की सूची देखने जा रहे हैं और सीखेंगे कि हम विश्वास का जीवन कैसे जी सकते हैं, क्योंकि हमारा आत्मिक जीवन हमारे भौतिक जीवन से अधिक महत्वपूर्ण है।

हम पुराने नियम के पुरुषों और महिलाओं को देखने जा रहे हैं जिन्होंने परमेश्वर पर विश्वास किया, परमेश्वर के साथ बातें की और उसके लिए जीयें। वे हमारे लिए उदाहरण हैं। कई बार हम उन अच्छी चीजों से सीखेंगे जो लोग करते हैं और कई बार हम उनकी गलतियों से भी सीखेंगे।

चूंकि हम परमेश्वर में विश्वास के बारे में बात कर रहे हैं, तो चलिए इसे परिभाषित करके शुरू करते हैं। क्या आप जानते हैं कि विश्वास क्या है? मुख्य आयत जिस पर यह अध्ययन आधारित है, वह इब्रानियों 11: 1 है।

याद करने की आयत

“विश्वास उन बातों का पक्का निश्चय है, जिनकी हम आशा करते हैं और उन वस्तुओं के अस्तित्व के विषय में दृढ़ धारणा है, जिन्हें हम नहीं देखते।” इब्रानियों 11:1

बाइबल सभी मसीहियों के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण पुस्तक है, लेकिन यह एक बड़ी किताब है। आप में से कितनों ने पूरी बाइबल पढ़ी है? यह इतनी बड़ी है कि हम उन बातों से भटक जाते हैं या दुविधा में पड़ जाते हैं जो घटित हुआ हैं, और नहीं जान पाते कि वे कहां और कब हुए। इस बारे में आपकी सहायता करने के लिए हम इब्रानियों 11 की कहानियों के अलावा पुराने नियम की समीक्षा भी करने जा रहे हैं। हम यह सब हमारे आत्मिक जीवन में लागू करेंगे। हम पुराने नियम की किताबों के नाम सीखेंगे, जो कि ऐतिहासिक क्रम में रखे गए हैं ताकि हम तिथियों और घटनाओं से भटक न जाएँ। पुराने नियम का अध्ययन करना इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि हम अद्भुत कहानियां और निर्देशों को पा सकते हैं जो आज हमारे जीवन पर सीधे लागू होते हैं।.

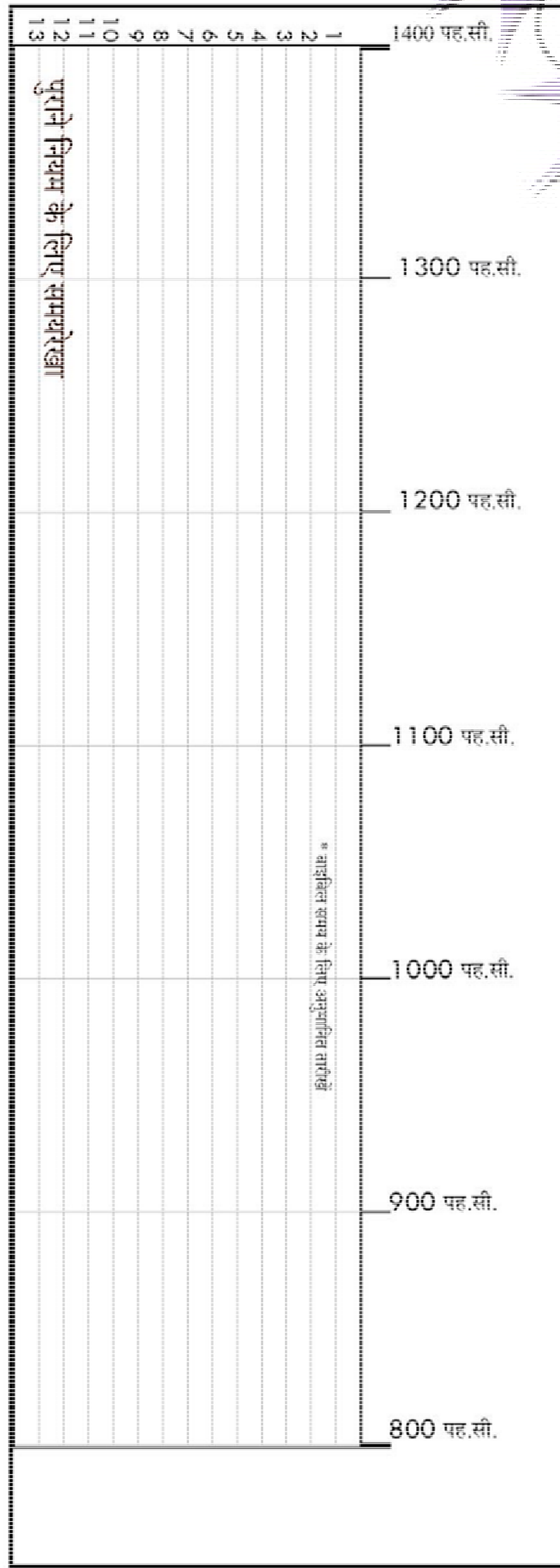

पाठ 1

परमेश्वर प्रार्थना का उत्तर देते हैं

एहूद: न्यायियों 3: 12-30

याद करने की आयत

“किसी बात की चिन्ता न करें। हर जरूरत में प्रार्थना करें और विनय तथा धन्यवाद के साथ परमेश्वर के सामने अपने निवेदन प्रस्तुत करें।” फिलिप्पियों 4:6

प्रश्न

1. अगर परमेश्वर मुझसे एहूद की तरह कुछ साहसिक काम करने के लिए कहता है, तो क्या होगा अगर मुझे डर लगता है?
2. आपको क्या क्या सजा मिली है जब आपकी गलती पाई गई थी?
3. क्या युद्ध अच्छे होते हैं?

य	मु	सी	ब	भ	रो	सा	आ	बी
ना	हो	त	प्रा	द	प	रि	णा	म
मो	द	शू	र्थ	द	र	र्थ	ना	द
आ	रा	ध	ना	अ	मे	ए	हू	द
बी	ज्ञा	यां	आ	नु	श्व	मु	ल	या
हो	र्ति	पा	प	शा	र	सी	चा	द
मू	रो	सा	ल	स	शू	ब	बी	म
ब	चा	य	हो	न	र्थ	त	रि	णा

मूर्तियां
यहोशू
आराधना
पाप
मोआबी
अनुशासन
आज्ञा पालन
परिणाम
मुसीबत
प्रार्थना
भरोसा
एहूद
बचाया
मदद
परमेश्वर

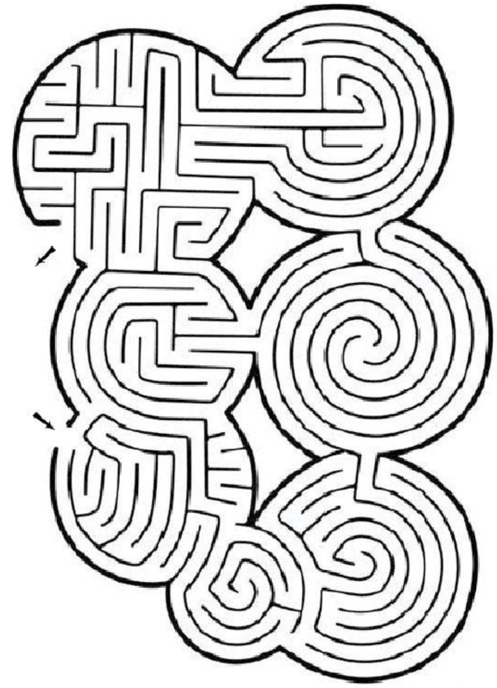

गृहकार्य

इस सप्ताह के लिए गृहकार्य आपकी कक्षा (स्कूल) में कुछ असहज स्थिति के लिए प्रार्थना करना है, जिनमें से आप होकर गुजर रहे हैं, जैसे किसी सहपाठी या किसी शिक्षक के साथ। अपनी आँखें बंद न करें, न ही कुछ ज़ोर से कहें क्योंकि परमेश्वर आपके विचारों और आपके हृदय को सुन सकते हैं। कुछ व्यावहारिक और विशिष्ट बातों के लिए प्रार्थना करें ताकि आप परमेश्वर की प्रतिक्रिया देख पाएं।

पढ़ें

दिन 1: न्यायियों 4:1-5
दिन 2: न्यायियों 4:6-10
दिन 3: न्यायियों 4:11-14
दिन 4: न्यायियों 4:15-20
दिन 5: न्यायियों 4:21-24

पाठ 2 परमेश्वर धर्मी हैं

दबोरा: न्यायियों 4:1-24, 2: 24-27

याद करने की आयत

"और विश्वास के बिना परमेश्वर को प्रसन्न करना, असंभव है। अत: जो परमेश्वर के निकट पहुँचना चाहता है, उसे विश्वास करना आवश्यक है कि परमेश्वर है और वह उन लोगों को प्रतिफल देता है, जो उसकी खोज में लगे रहते हैं।" इब्रानियों 11:6

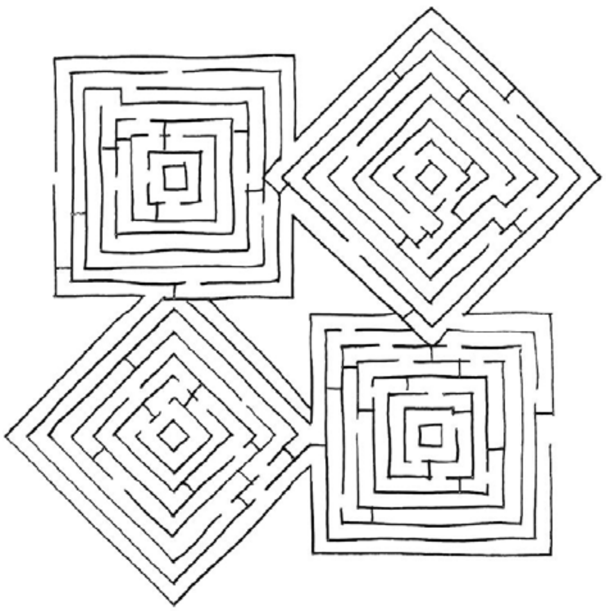

प्रश्न

1. हम हर दिन किन कामों को करते हैं जिन्हें परमेश्वर देख सकते हैं? क्या वह हमें प्रतिफल देगा?
2. मैं सिर्फ टीवी देखना चाहता हूं। क्या ये ठीक है? क्यों नहीं?
3. स्वर्ग कैसा होगा?

पढ़ें

दिन 1: न्यायियों 6:1-13
दिन 2: न्यायियों 6:14-26
दिन 3: न्यायियों 6:27-40
दिन 4: न्यायियों 7:1-15
दिन 5: न्यायियों 7:16-25

दबोरा
धर्मी
अत्याचार
मुश्किलें
भविष्यवक्तन
बाराक
उत्तर
भरोसा
डर
प्रतिफल
सीसरा
विश्वासयोग्य
इस्राएल
परमेश्वर
नायक

श्व	मु	श्कि	लें	सी	स	प
भ	रा	सी	प्र	उ	त्त	र
स	वि	श्वा	स	यो	ग्य	मे
ध	र्मी	ष्य	ल	रा	ड	श्व
वि	इ	फ	व	र्मी	बो	र
श्वा	ति	स्रा	श्वा	क्त	चा	ल
प्र	द	ना	ए	त्या	न	भ
ध	बो	य	अ	ल	ड	रो
बा	रा	क	प्र	ति	फ	सा

गृहकार्य

इस सप्ताह के लिए गृहकार्य यीशु मसीह के बारे में बात करने, किसी को प्रोत्साहित करने या घर में अपने माता-पिता की मदद करने जैसी क्रियाकलाप को चुनना है, जहां आप हर दिन इसे करने की जिम्मेदारी लेने जा रहे हैं। यह घर पर या स्कूल में हो सकता है। इसके अलावा, आप कलीसिया में सेवा करने में कुछ भूमिका के लिए स्वेच्छा से काम कर सकते हैं। यदि यह डरावना लगता है, तो ऊपर तारों या बादलों को देखें और सोचें कि हमारा परमेश्वर कितना बड़ा है, जिसने उन्हें बनाया है।

पाठ 3 परमेश्वर अपने वचन की पुष्टि करता है

गिदोन: न्यायियों 6:1-7: 25

याद करने की आयत

"परन्तु प्रभु की प्रतीक्षा करनेवाले नया बल प्राप्त करते जाएंगे, वे गरुड़ के पंखों की तरह नवशक्ति प्राप्त कर ऊंचे उड़ेंगे; वे दौड़ेंगे, पर थकेंगे नहीं; वे चलते रहेंगे, किन्तु निर्बल नहीं होंगे।" यशायाह 40:31

प्रश्न

1. क्या होगा अगर परमेश्वर मुझे "न" कहे?
2. क्या परमेश्वर मुझसे गुस्सा होते हैं? क्यूं?
3. क्या परमेश्वर वास्तव में मुझसे बात करना चाहता है?

मि	दो	ल	यां	आ	ज्ञा	पा	मि
द्या	म	दि	दो	सू	खी	पु	द्या
शां	वे	शा	ऊ	न	यां	ष्टि	नि
यों	ति	र	ल	नि	तु	क	यों
गी	ला	पा	क	म	जो	र	ल
न	ज्ञा	वे	दि	ज	गि	ण	ही
आ	रा	ध	ना	बू	न	दो	द्या
ल	स्व	र्ग	दू	त	भू	ख	न

गिदोन
मिद्यानियों
भूख
स्वर्गदूत
मजबूत
कमजोर
पुष्टिकरण
आज्ञापालन
शांति
वेदियां
आराधना
ऊन
गीला
सूखी
तुरही
मशाल

प्रत्येक ट्ुकड़ों को सही बॉक्स में चित्रित करें, उदाहरण के लिए A-1 बॉक्स में कॉलम A, पंक्ति 1 पर चित्रित करें।

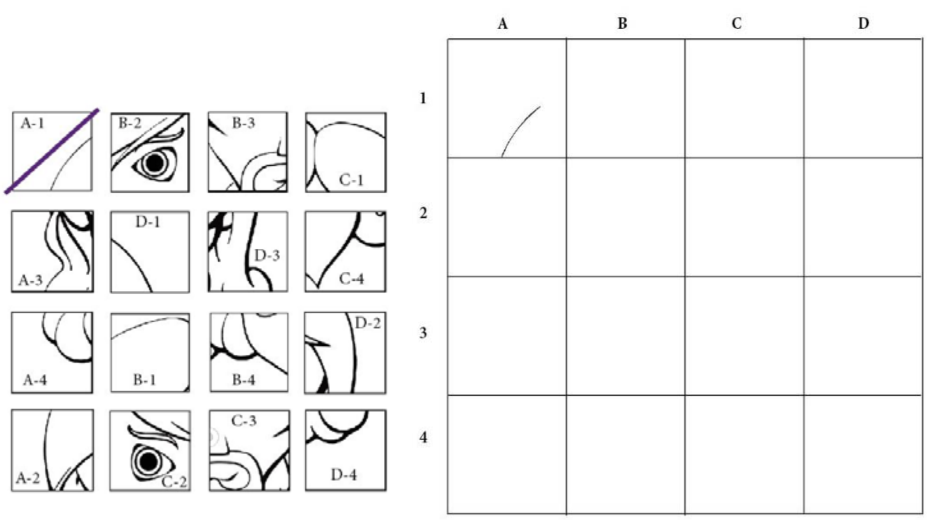

पढ़ें

दिन 1: न्यायियों 10: 6-14
दिन 2: न्यायियों 10: 15-11: 3
दिन 3: न्यायियों 11: 4-13
दिन 4: न्यायियों 11: 28-34
दिन 5: न्यायियों 11: 35-40

गृहकार्य

इस सप्ताह का गृहकार्य कुछ ऐसा देखना है जो परमेश्वर के अस्तित्व की पुष्टि करता है, कुछ ऐसा जिसे आप अपने जीवन में या किसी और के जीवन में देखते हैं। इसके बारे में लिखें या घर पर नोटबुक में एक उसका चित्र बनाएं, फिर अपने शिक्षक को कलीसिया में इसके बारे में बताएं।

पाठ 4 परमेश्वर आपको महत्व देते हैं

यिप्तह:न्यायियों 10: 6-11: 13, 11: 29-40

याद करने की आयत

'देखो, परमेश्वर शक्तिशाली है, और वह किसी को तुच्छ नहीं समझता; उसमें समझने की शक्ति अपार है।" अय्यूब 36:5

प्रे	लि	यां	श्ति	र	अ	त	प्रे
म	र्ति	खा	श्व	बा	म्मो	ति	बा
मू	द	मे	न्या	इ	नी	लि	रा
उ	र	द	यी	ब	ना	य	क
प	लि	श्ति	यि	ल	म्मो	जी	ति
हा	स्थि	अ	र्ति	प्त	दि	स्थि	त
स	दि	खा	वा	म	ह	त्व	श्ति

यिप्तह
नायक
महत्व
दिखावा
पलिश्ति
अम्मोनी
मूर्तियां
स्थिति
उपहास
जीत
मदद
बाइबल
परमेश्वर
प्रेम
न्यायी

प्रश्न

1. आपने स्कूल में अपनी कक्षा में भेदभाव के कौन से मामले देखे हैं?
2. जब मैं भेदभाव को देखता हूं, तो मुझे इसमें क्यों शामिल होना चाहिए?
3. वे मुझे अकेला क्यों नहीं छोड़ सकते?

प्रत्येक आयत को भरने के लिए 1 से 10 के पैमाने के साथ निम्नलिखित लोगों के मूल्य को इंगित करें।

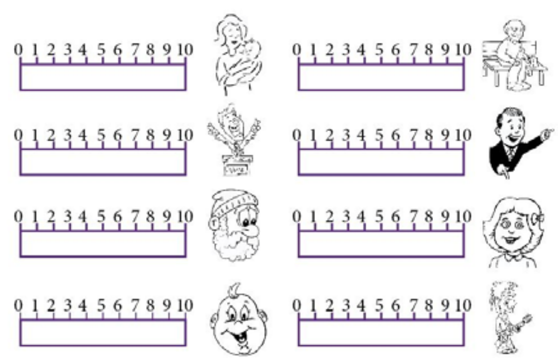

पढ़ें

दिन 1: न्यायियों 13:1-5
दिन 2: न्यायियों 15:9-16
दिन 3: न्यायियों 16:4-10
दिन 4: न्यायियों 16:15-22
दिन 5: न्यायियों 16:23-30

अब अपने स्वयं का चित्र बनाएँ:

परमेश्वर आपको महत्व देते हैं

गृहकार्य

इस सप्ताह का गृहकार्य एक स्व-परीक्षा करना है: आप खुद को कैसे देखते हैं? दूसरों से अपनी तुलना न करने के प्रति सावधान रहें। यदि आप अपने आप को कम मूल्य का महसूस करते हैं, तो याद रखें कि परमेश्वर ने आपको वैसे ही बनाया है जैसे कि आप हैं और वह आपको महत्व देता है और आपसे प्यार करता है। यदि आप गर्व महसूस करते हैं, तो याद रखें कि आपका विश्वास यीशु में है, अपने आप पर नहीं। इस सप्ताह प्रत्येक दिन, ज़ोर से बोलो, "मैं यीशु का हूं, और वह मुझे प्यार करता और महत्व देता है।"

पाठ 5 सारा विवरण

शिमशोन: न्यायियों 13:1-25, 14:5-6, 15:9-20, 16:2-31

याद करने की आयत

“इसलिए हम पूर्ण भरोसे के साथ अनुग्रह के सिंहासन के पास जायें, जिससे हमें दया मिले और हम वह कृपा प्राप्त करें, जो हमारी आवश्यकताओं में हमारी सहायता करेगी।” इब्रानियों 4:16

सही या गलत

यदि उत्तर सही है और यह संकेत यदि उत्तर गलत है, तो यह संकेत को गोला करें।

1. शिमशोन की सामर्थ उसके दिल में पाई जाती थी।
2. दलीला ने शिमशोन के साथ विश्वासघात किया और उसे पलिश्तियों को सौंप दिया।
3. मंदिर के ढहने के साथ कई पलिश्तियों की मृत्यु हो गई जबकि शिमशोन जीवित रहा।
4. शिमशोन अपने बालों के बिना भी काफी शक्तिशाली था।
5. शिमशोन ने एक गधे के जबड़े से एक हजार लोगों को मार डाला।

वा	ल	प	च्चा	स्व	श	क्ति	ना
शे	दा	लि	बा	दा	र्ग	ली	ज़
र	र्थ	श्ति	द	ली	ला	दू	री
ज	स्सि	यों	ड़ा	ट	र्थ	बा	त
ब	च्चा	यां	शि	म	शो	न	ल
ड़ा	धो	दू	सा	स्सि	फा	ट	क
श्ति	शे	खा	स्व	र्ग	द	त	क्ति

शिमशोन	बाल	जबड़ा
स्वर्गदूत	शक्ति	फाटक
वादा	शेर	सामर्थ
बच्चा	पलिश्तियों	दलीला
नाज़री	रस्सियां	धोखा

प्रश्न

1. क्या मैं चीजों को अपने तरीके से कर सकता हूं?
2. अच्छे लोग स्वर्ग जाते हैं, क्या ऐसा नहीं हैं?
3. मुझे परमेश्वर पर भरोसा क्यों करना चाहिए?

गृहकार्य

इस सप्ताह आपका गृहकार्य जीवन के विवरणों पर ध्यान देना है। क्या आप अपने माता-पिता की बात मान रहे हैं? क्या आप लोगों का साथ अच्छे सम्बन्ध में है? क्या आपने सभी को माफ़ कर दिया है? क्या आप अपने अधिकारियों (माता-पिता, शिक्षक, पास्टर, आदि) से कुछ छिपा रहे हैं? ऐसा विवरण चुनें जिसे आप भूल रहे हैं, परमेश्वर से क्षमा मांगें और उससे मदद मांगें, उसे किसी अधिकार के सामने स्वीकार करें, फिर उससे पश्चाताप करें। बाकी सप्ताह के दौरान उस विवरण के साथ सही काम करने के विषय में सावधान रहें।

पढ़ें

दिन 1: रूत 1:1-7
दिन 2: रूत 1:11-18
दिन 3: रूत 2:1-4
दिन 4: रूत 2:19-23
दिन 5: रूत 4:9-15

पाठ 6 परमेश्वर आपको आशीष देते हैं

रूत: रूत 1:1-3:3, 3:16-4:22

याद करने की आयत

‘धन्य है वह मनुष्य, जो प्रभु पर भरोसा करता है; जिसका भरोसा ही प्रभु है। 8वह मानो कल-कल करते झरने के तट पर रोपा गया वृक्ष है; जिसकी जड़ें गहरे पानी में होती हैं। जब दोपहर के सूरज की प्रखर किरणें उस पर पड़ती हैं, तब वह उनकी गर्मी से नहीं मुरझाता; उसके पत्ते सदा हरे बने रहते हैं। वर्षा न होने पर भी उनको चिन्ता नहीं होती, क्योंकि वह सूखा पड़ने पर भी फलता है।” यिर्मयाह 17:7-8

प्रश्न

1. तो, वहां मेरे लिए क्या है? (परमेश्वर उदार है, और वह हमें आशीष देना पसंद करता है। आपका सबसे बड़ा सपना क्या है?
2. अगर परमेश्वर हमें आशीष देना चाहते हैं, तो वह बुरा क्यों होने देता है?
3. हर कोई कलीसिया में "परमेश्वर आपको आशीष दें" क्यों कहते हैं?

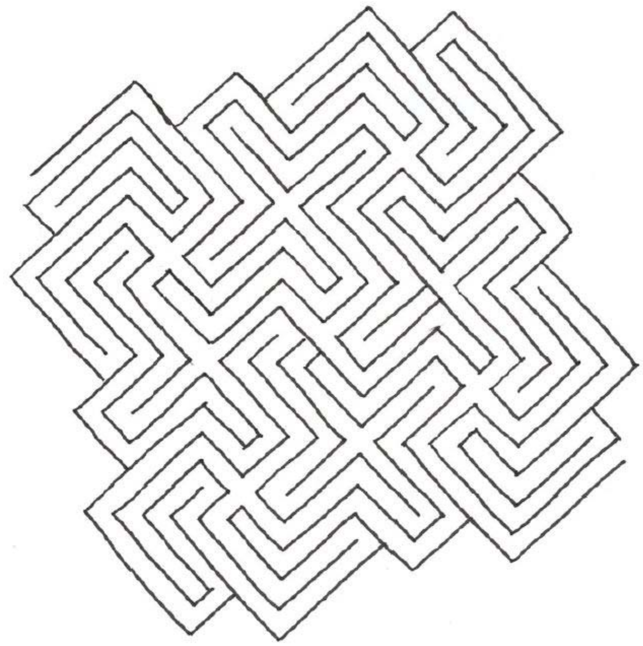

जौ	या	ल	ड़	ब	फा
मो	का	रू	आ	शी	षें
अ	उ	मो	री	शा	उ
उ	ति	दा	भो	दी	मै
दी	फा	रि	र	ज	दा
व	क	लु	क्त	आ	न
ओ	र्पा	ड़	बो	अ	ज़
द	या	लु	वा	रू	त

रूत	वफादारी	भोजन
मोआब	बोअज़	शादी
अकाल	जौ	उदार
ओर्पा	अतिरिक्त	दयालु
कड़वा	मैदान	आशीषें

पढ़ें

दिन 1:1 शमूएल 1:1-8
दिन 2:1 शमूएल 1:9-20
दिन 3:1 शमूएल 3:1-6
दिन 4:1 शमूएल 3:7-14
दिन 5:1 शमूएल 3:15-21

गृहकार्य

इस सप्ताह आपका गृहकार्य एक ऐसी चीज के बारे में सोचना है जो आपके पास है जो आपको पसंद है, जैसे कि आपका परिवार, एक दोस्त, आपका घर या पलंग, एक खिलौना, स्कूल में आपकी पसंदीदा कक्षा, आदि। इस सप्ताह हर दिन इन बातों के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें|

पाठ 7 परमेश्वर आपको नियुक्त करता है

शमूएल: 1 शमूएल 1:1-28, 3:1-21

याद करने की आयत

“तुम ने मुझे नहीं चुना, बल्कि मैंने तुम्हें इसलिए चुना और नियुक्त किया कि तुम संसार में जाओ और फलवंत हो तथा तुम्हारा फल बना रहे, जिससे तुम मेरे नाम में पिता से जो कुछ माँगो, वह तुम्हें प्रदान करे।” योहन 15:16

प्रश्न

1. लेकिन मैं क्या अंतर ला सकता/सकती हूँ?

2. दुनिया में सभी लोगों के लिए पर्याप्त भोजन और पैसा क्यों नहीं है?

3. अगर कोई मुझसे नफरत करता है तो क्या करें?

पा	ए	ली	इ	सु	7	प	वि
बु	ठ	मू	स्रा	ठ	न	र	श्वा
सु	ला	7	ए	न	श्व	ना	स
श	मू	ए	ल	मे	ला	आ	यो
सं	नीं	पा	र	बु	न्या	ठ	ग्य
ज़	दे	प	आ	वा	ज़	यी	7
नीं	द	श	प	ठ	7	रा	त

शमूएल
न्यायी
इस्राएल
एली
सुनना
आवाज़
रात
नींद
बुलाना
परमेश्वर
सुनना
पालन
संदेश
विश्वासयोग्य
भविष्यवक्ता
शमूएल

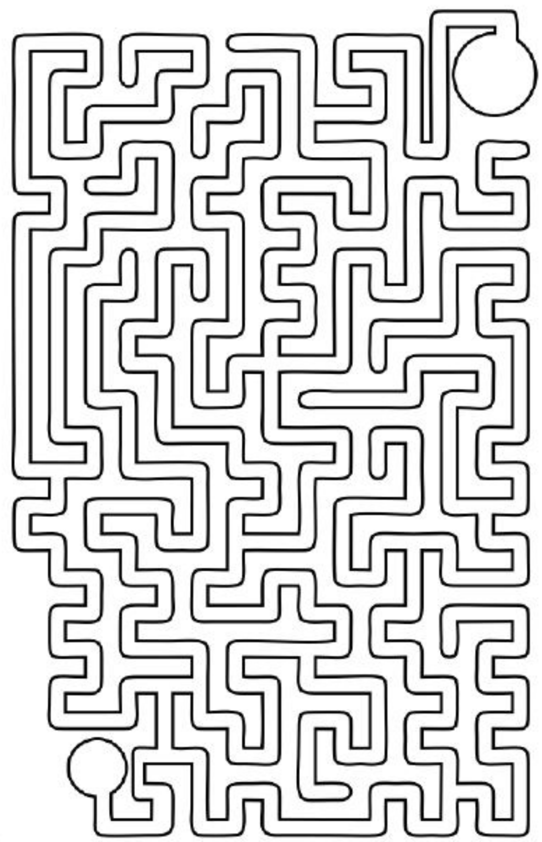

गृहकार्य

इस सप्ताह का गृहकार्य हर दिन कुछ दया के काम करने के लिए है, उदाहरण के लिए ,सड़क के पार एक बुजुर्ग व्यक्ति की मदद करना, एक वयस्क के लिए सुपरमार्केट से किराने का सामान उठाने में मदद करना, दूसरे विद्यार्थी को अपने गृहकार्य के साथ स्कूल में मदद करना, आदि। अगली कक्षा के समय में, अपने कार्यों के बारे में अपने शिक्षक को बताएं।

पढ़ें

दिन 1: 1 शमूएल 5: 1-6
दिन 2: 1 शमूएल 5: 7-12
दिन 3: 1 शमूएल 6: 1-6
दिन 4: 1 शमूएल 6: 7-12
दिन 5: 1 शमूएल 6: 13-16, 7: 1

पाठ 8 परमेश्वर सर्वशक्तिमान है

वाचा का सन्दूक: 1 शमूएल 4: 1-11, 5: 1-6: 21

याद करने की आयत

“क्योंकि तुम्हारा प्रभु परमेश्वर समस्त देवताओं का परमेश्वर है। वह समस्त स्वामियों का स्वामी है। वह महान, बलवान और आतंकमय परमेश्वर है। वह किसी का पक्षपात नहीं करता, और न किसी से घूस ही लेता है।” व्यवस्था-विवरण 10:17

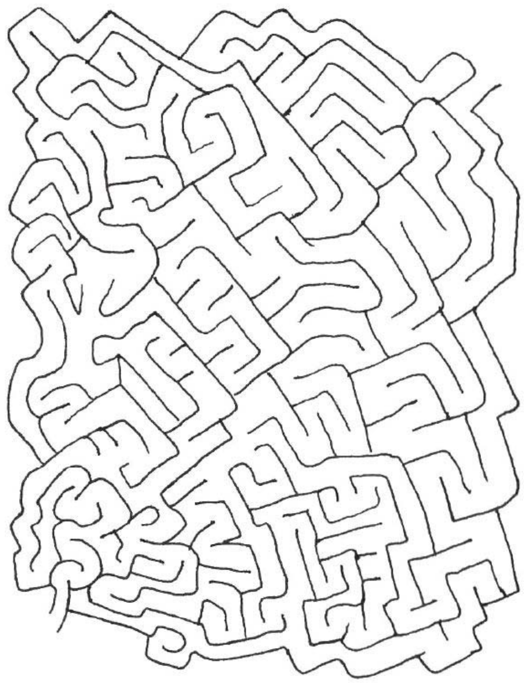

प्रश्न

1. एक इतना शक्तिशाली और महान परमेश्वर कैसे मेरा दोस्त हो सकता है?
2. मुझे ऐसा क्यों लगता है कि परमेश्वर दूर है?
3. क्या वाकई दुनिया का अंत होगा?

सर्वशक्तिमान
संदूक
पेटी
कर्मचारी
मन्ना
आज्ञाएं
पलिश्तियों
चिंता
फोड़े
गाय
गाड़ी
अवज्ञा
परमेश्वर
भरोसा
हृदय

द	चिं	मा	टी	मे	आ	श्व	र
स	ता	गा	य	म	ज्ञा	व	न्ना
ज्ञा	र्व	द	ड़ी	रो	एं	गा	ज्ञा
व	हृ	श	एं	सा	री	ज्ञा	फो
अ	ड़ी	सं	क्ति	चा	ड़ी	यों	ड़े
भ	टी	दू	र्म	मा	श्ति	हृ	द
पे	रो	क	एं	लि	न	म	न्ना
आ	ज्ञा	सा	प	र	मे	श्व	र

पढ़ें

दिन 1: 1 शमूएल 8: 4-7, 17-22
दिन 2: 1 शमूएल 9: 1-9
दिन 3: 1 शमूएल 9: 25-10: 2
दिन 4: 1 शमूएल 10: 9-11, 17-25
दिन 5: 1 शमूएल 13: 1-14

गृहकार्य

इस सप्ताह आपका गृहकार्य एक खाली माचिस की टिकिया या एक अन्य छोटा पात्र ढूंढना है। आप इसे सजा सकते हैं। कागज के टुकड़ों पर बाइबल की आयतें लिखें, उन्हें छोटे बक्से में डालें और अपनी जेब में डालें। जब भी आपको समस्या हो, आप उन आयतों को पढ़ सकते हैं। तब परमेश्वर का वचन आपकी मदद करेगा और आपको जीवन में विश्राम देगा। अगली कक्षा के समय उस छोटी टिकिया को लाएँ और अपने शिक्षक को दिखाएँ।

पाठ 9 परमेश्वर की इच्छा

राजा शाऊल: 1 शमूएल 8: 4-21, 9: 15-10: 1, 10: 20-25, 13: 5-14, 15: 1-31

याद करने की आयत

"तेरी इच्छा को पूर्ण करना मुझे सिखा; क्योंकि तू ही मेरा परमेश्वर है, तेरा भला आत्मा मुझे सुरक्षित स्थान पर ले जाएगा।" भजन संहिता 143:10

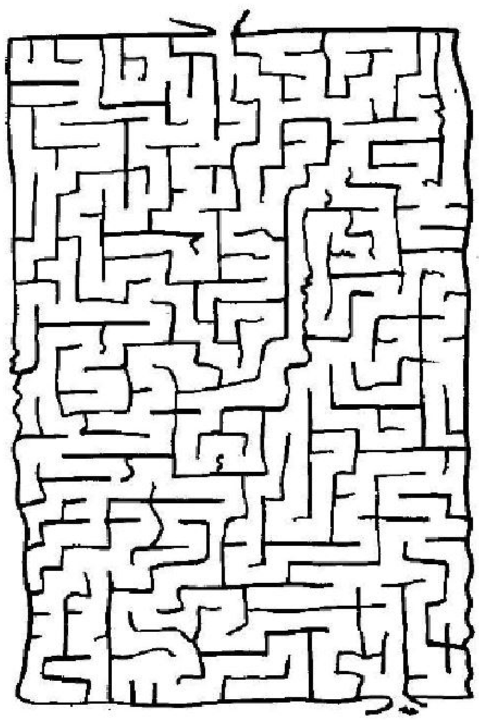

राजा
शाऊल
अवज्ञा
शमूएल
तुलना
बलिदान
प्रतीक्षा
भेड़
यीशु
क्रूस
उद्धार
पश्चाताप
पाप
आज्ञाकारिता
बाइबल

ब	शु	पा	आ	ज्ञा	अ	व	ज्ञा
उ	लि	प	श्चा	ता	प	इ	ना
द्धा	ल	दा	रि	शा	ऊ	ल	उ
र	श	का	न	बा	तु	प्र	द्धा
क्रू	ज्ञा	मू	स	इ	श्चा	ती	रा
आ	प	क्रू	ए	ब	रा	क्षा	भे
यी	शु	ल	बा	ल	ज्ञा	जा	ड़

प्रश्न

1. क्या होगा अगर परमेश्वर मुझसे कुछ असंभव करने को कहते हैं?
2. परमेश्वर कहाँ से आए?
3. हर कोई परमेश्वर में विश्वास क्यों नहीं करते हैं?

पढ़ें

दिन 1: 2 शमूएल 11: 1-13
दिन 2: 2 शमूएल 11: 14-27
दिन 3: 2 शमूएल 12: 1-10
दिन 4: 2 शमूएल 12: 11-19
दिन 5: 2 शमूएल 12: 20-25

गृहकार्य

इस सप्ताह आपका गृहकार्य है, हर उस पल जब आप प्रलोभन महसूस करते हैं, तो परमेश्वर से प्रार्थना करें और उनसे सही काम करने के लिए मदद मांगें। जब आप पाप करते हैं, तो परमेश्वर से क्षमा और पश्चाताप के लिए पूछें। इस सप्ताह परमेश्वर से आपको अच्छी चीजें करने में मदद करने के लिए कहें, और हर बार जब आप कुछ अच्छा करने के लिए सोचते हैं, उदाहरण के लिए, किसी की मदद करने या प्रोत्साहित करने के लिए, तो ऐसा ही करें।

पाठ 10 परमेश्वर हमें अनुशासित करते हैं

राजा दाऊद: 1 शमूएल 16:1-13, 2 शमूएल 5:1-5, 11:1-15, 12:1-23

याद करने की आयत

‘धन्य है वह मनुष्य जिसको परमेश्वर ताड़ित करता है। अत: ओ अय्यूब, सर्वशक्तिमान परमेश्वर की ताड़ना को तुम स्वीकार करो।” अय्यूब 5:17

प्रश्न

1. क्या ऐसा हो सकता है कि परमेश्वर पूरे परिवारों, शहरों, या देशों को भी अनुशासित करे? क्या आपके पास उदाहरण हैं?
2. आपको मिली आखिरी ताड़ना क्या थी और क्यों मिली थी?
3. अगर पुलिस या राजनेता गलत करने वालों को अनुशासित करने के लिए हैं, तो वे बुरे लोगों को क्यों जाने देते हैं और अच्छे लोगों से पैसे लेते हैं?

अ	नु	ग्र	ह	दि	न	ज्ञा	दा	च
भि	दि	खा	ब	ट	खा	च्चा	ऊ	य
षे	बे	त	शे	बा	ना	व	द	न
क	ट	त	छ	ना	ता	हृ	ट	क
बे	रा	स्वी	ले	रि	न	अ	भि	षे
त	जा	च्चा	का	हे	ब	च्चा	दा	स्वी
ल	पा	ज्ञा	ऊ	र	म	ऊ	य	ज्ञा
हे	आ	प	छ	ता	ना	द	दि	ऊ

दाऊद	दिखावट	नातान
बेतलेहेम	हृदय	स्वीकारना
अभिषेक	आज्ञाकारिता	पछताना
चयन	बेतशेबा	अनुग्रह
राजा	पाप	बच्चा

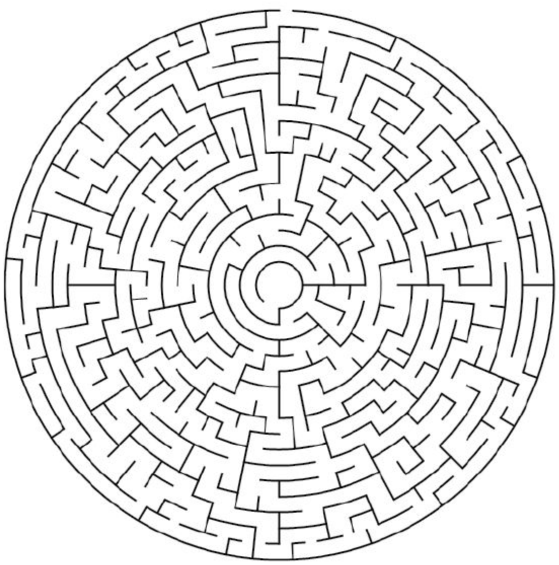

पढ़ें

दिन 1: 1 राजा 5: 1-5
दिन 2: 1 राजा 6: 1-2,14
दिन 3: 1 राजा 7: 48-51
दिन 4: 1 राजा 8: 22-26
दिन 5: 1 राजा 8: 27-30

गृहकार्य

वाक्यांश को याद रखें, "परमेश्वर मुझे अनुशासित करते हैं क्योंकि वह मुझसे प्यार करता है।" जब आपके माता-पिता या शिक्षक आपको कुछ गलत करने के लिए दंडित करते हैं, तो अपने दिमाग में इस वाक्यांश को दोहराएं: "परमेश्वर मुझे अनुशासित करते हैं क्योंकि वह मुझसे प्यार करता है।" अगर आप अपने आप को ऐसा सोचते हुए पाते हैं, "लेकिन मैंने कभी कुछ गलत नहीं किया! ऐसा करने का मेरा कोई इरादा नहीं था!” तो आपने जो किया उस पर एक और बार नज़र डालें और अपने इरादों के बजाय अपने वास्तविक कार्यों पर ध्यान दें। स्वयं का बचाव किए बिना परिणामों को स्वीकार करें।

पाठ 11 परमेश्वर का मंदिर

राजा सुलैमान: 1 राजा 2: 1-4, 3: 4-15, 4: 29-34, 6: 1, 6: 37-38, 8: 1-1: 30

याद करने की आयत

“क्या आप यह नहीं जानते कि आप परमेश्वर का मन्दिर हैं और परमेश्वर का आत्मा आप में निवास करता है?” 1 कुरिन्थियों 3:16

चित्रों पर एक सही का निशान लगाएं, जिसमें एक व्यक्ति परमेश्वर के मंदिर के निर्माण में मदद कर रहा है। तस्वीर में रंग भरो|

सुलैमान
दाऊद
राजा
मंदिर
निर्माण
निवेदन (पूछना)
बुद्धि
धन
सोना
सम्पति
बलिदान
वादे
मसीही
प्रार्थना
आत्मा

नि	स	बु	मं	दि	र
बे	म्प	आ	द्धि	ब	ध
ब	ति	नि	वे	द	न
म	लि	र्मा	ऊ	मा	नि
सी	नि	दा	लै	ही	र्मा
ही	सो	सु	न	रा	ण
प्रा	र्थ	ना	दे	आ	जा
ध	ना	वा	ऊ	त्मा	लै

प्रश्न

1. हम किन तरीकों से अपने शरीर और आत्मा का ध्यान रख सकते हैं?

2. क्या मसीही होना मज़ेदार बात है?

3. मेरे माता-पिता मुझे हमेशा “नहीं” क्यों कहते हैं?

पढ़ें

दिन 1: 1 राजा 17: 1-6
दिन 2: 1 राजा 17: 7-11
दिन 3: 1 राजा 17: 12-16
दिन 4: 1 राजा 17: 17-19
दिन 5: 1 राजा 17: 20-24

गृहकार्य

आपका गृहकार्य इस सप्ताह हर दिन किसी को प्रोत्साहित करना है, खासकर कोई ऐसा व्यक्ति जो आपकी कलीसिया से अलग किसी कलीसिया में जाता है। यदि आप किसी को अच्छा करते देखते हैं, तो उन्हें बधाई दें। यदि आप किसे दूसरे बच्चे को देखते हैं जो यीशु पर विश्वास करता है कि वह कुछ गलत कर रहा है, तो उसे सही काम करने के लिए सही तरह से दया के साथ याद दिलाएं: यह मत कहो, "तुम बुरे हो," बल्कि यह कहें कि, "ऐसा करने से परमेश्वर खुश नहीं होते। इसके बजाय तुम ऐसा कर सकते हो,” और कुछ अच्छा करने का सुझाव दे सकते हैं। बोनस: मत्ती में दिए गये पहाड़ी उपदेश का 5-7 भाग पढ़ें।

पाठ 12 परमेश्वर हमें देखता है

एलिय्याह: 1 राजा 17:1-24

याद करने की आयत

"तुम सब से पहले परमेश्वर के राज्य और उसकी धार्मिकता की खोज करो तो ये सब वस्तुएँ भी तुम्हें मिल जाएँगी।" मत्ती 6:33

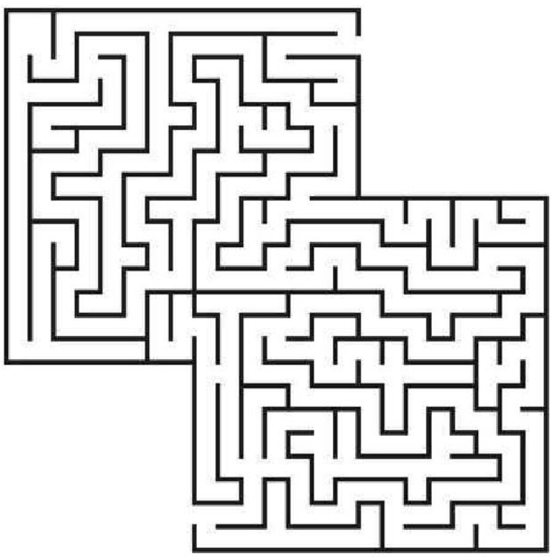

प्रश्न

1. क्या आपके पास एक ऐसे समय की गवाही है जहाँ परमेश्वर ने आपके लिए प्रबंध किया है? इसे बाँटें।
2. परमेश्वर ने मुझे क्यों बनाया?
3. यदि परमेश्वर सब कुछ देखता है, तो वह हमारी गलतियों को भी देखता है। कुछ गलत करते हुए पकड़े जाने पर कैसा महसूस होता है? इस तरह की एक स्थिति में, क्या आपने अपनी गलती स्वीकार की है?

आ	दा	आ	टा	कौ	पु	प्त	र्जी
व	लि	ज्ञा	उ	वे	र्या	वि	ए
श्य	य्या	का	ते	प	ते	हि	लि
क	ह	रि	मृ	ध्या	ल	त	य्या
ता	वि	ता	ब्ध	न	मृ	ब्ध	ह
एं	रो	ध	च्चा	र	ब	खा	ना
र्या	टी	खा	वा	हि	ल	र	ध
पु	न	र्जी	वि	त	झ	ब	च्चा

एलिय्याह	उपलब्ध	आटा
कौवे	ध्यानरहित	तेल
खाना	विधवा	बच्चा
झरना	रोटी	मृत
आवश्यकताएं	पर्याप्त	पुनर्जीवित

गृहकार्य

कागज के एक टुकड़े पर वाक्यांश, "गुड मोर्निंग, प्रभु परमेश्वर" को लिखें और इसे अपने बिस्तर के पास रख दें जहां आप सुबह उठने पर इसे देख सके। इससे आपको यह याद रखने में मदद मिलेगी कि परमेश्वर हमेशा आपको देखते हैं। यदि आपके पास इस सप्ताह कुछ कमी है, तो इसके लिए परमेश्वर से पूछें। यह देखें कि परमेश्वर कैसे प्रदान करते हैं और अगली बार अपने शिक्षक को उसके बारे में बताएं।

पढ़ें

दिन 1: 1 राजा 18: 16-21
दिन 2: 1 राजा 18: 22-26
दिन 3: 1 राजा 18: 27-35
दिन 4: 1 राजा 18: 36-39
दिन 5: 1 राजा 18: 40-46

पाठ 13 एकमात्र परमेश्वर

एलिय्याह और अन्य भविष्यवक्ताएं: 1 राजा 18: 16-46

याद करने की आयत

“हे प्रभु, तू ही मेरा परमेश्वर है; मैं तुझे सराहूंगा, मैं तेरे नाम का गुणगान करूंगा। तूने अद्भुत कार्य किए हैं, तूने अपनी योजनाएं पूर्ण की हैं, जो आरम्भ से बनी थीं, जो विश्वस्त और निश्चयपूर्ण थीं।” यशायाह 25:1

प्रश्न

1. हम किन चीजों के लिए परमेश्वर से अलग सेवा या आराधना करने के लिए प्रलोभित होते हैं?
2. वास्तव में अन्य धर्मों के अन्य देवता क्या हैं?
3. क्या मैं परमेश्वर से कुछ समय के लिए छुट्टी ले सकता हूं?

भ	वि	ष्य	द्वा	क्ता	एं	भ	पु
श	ग	नी	ब	से	व	रो	न
क्ति	क्ता	ड्ढा	ह	लि	ड़ी	सा	र्जी
शा	एं	य्या	श	हा	दा	ड्ढा	वि
ली	लि	ष्य	प	क्ति	शा	न	त
ए	बा	ल	पा	र	ना	आ	ग
से	में	द्वा	नी	ध	मे	ल	व
क	वा	य्या	रा	प्रे	कौ	श्व	श्य
ए	लि	आ	ली	म	वे	दी	र

एलिय्याह
भविष्यद्वाक्ताएं
आराधना
कर्मेल पहाड़ी
बाल
वेदी
आग
पानी
गड्ढा
बलिदान
परमेश्वर
शक्तिशाली
सेवा
भरोसा
प्रेम

विश्वास के प्रत्येक नायकों को उनके चित्र के साथ जोड़ने वाली एक रेखा खींचें।

दबोरा
गिदोन
शिमशोन
शमूएल
रूत
दाऊद
एलिय्याह
सुलैमान
वाचा का सन्दूक

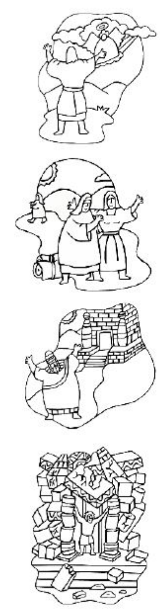

गृहकार्य

अपनी पसंदीदा चीज के बारे में सोचें, जैसे कोई खिलौना, कपड़े, बैग, पैसा, आदि। इस बारे में सोचें कि आप परमेश्वर की सेवा कैसे कर सकते हैं या इसके द्वारा किसी और को फायदा कैसे पहुंचा सकते हैं। यदि यह एक खिलौना है, तो आप इसे साझा कर सकते हैं और किसी दूसरे को इसके साथ खेलने दे सकते हैं। यदि यह कपड़े हैं और आपका एक छोटा भाई है जो इसका इस्तेमाल कर सकता है, तो उन्हें इसे पहनने दें। यदि यह पैसा है, तो इसे कलीसिया या किसी ऐसे व्यक्ति को दें, जिसे इसकी आवश्यकता है। यदि यह कुछ भौतिक नहीं है, उदाहरण के लिए एक प्रतिभा या अध्ययन के लिए कोई योजना, तो परमेश्वर से प्रार्थना करें और कहें, “हे परमेश्वर, यह प्रतिभा, शिक्षा, क्षमता, सपना, आदि आपका ही है। कृपया मेरा मार्गदर्शन करें कि मैं कैसे आपकी सेवा कर सकता हूं और इसके साथ दूसरों की मदद कर सकता हूं।” वैकल्पिक: यदि आप ऐसी स्थिति में रहते हैं जहां आपका परिवार या समुदाय एक अलग ईश्वर की आराधना करता है, तो भाग लेने की कोशिश न करें। यदि आप भाग लेने के लिए मजबूर हैं, तो परमेश्वर को अपना पूरा हृदय समर्पित करते हुए उनसे उस स्थिति में आपकी मदद करने के लिए प्रार्थना करें। परमेश्वर, जो किसी भी चीज़ या किसी से भी बड़ा और शक्तिशाली है, आपके हृदय को देखता है।

"और विश्वास के बिना परमेश्वर को प्रसन्न करना, असंभव है। अत: जो परमेश्वर के निकट पहुँचना चाहता है, उसे विश्वास करना आवश्यक है कि परमेश्वर है और वह उन लोगों को प्रतिफल देता है, जो उसकी खोज में लगे रहते हैं।" इब्रानियों 11:6

Heroes 2 Advanced
Hindi
12041

www.LosNinosCuentan.com
pedidos@losninoscuentan.com
México: 01-800-839-1009   01-592-924-9041
Guatemala: pedidosguate@losninoscuentan.com
Venezuela: pedidosvenezuela@losninoscuentan.com

बच्चें महत्वपूर्ण है